



भारत सरकार
कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय
प्रशिक्षण महानिदेशालय
योग्यता आधारित पाठ्यक्रम

हेल्थ स्यानिटरी इंस्पेक्टर

(अवधि: एक वर्ष)

शिल्पकार प्रशिक्षण योजना (सीटीएस)

एनएसक्यूएफ स्तर- 3.5



क्षेत्र – स्वास्थ्य सेवा



Directorate General of Training

हेल्थ स्यानिटरी इंस्पेक्टर

(गैर-इंजीनियरिंग ट्रेड)

(मार्च 2023 में संशोधित)

संस्करण: 2.0

शिल्पकार प्रशिक्षण योजना (सीटीएस)

एनएसक्यूएफ स्तर – 3.5

द्वारा विकसित

कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय

प्रशिक्षण महानिदेशालय

केंद्रीय कर्मचारी प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान

EN-81, सेक्टर-V, साल्ट लेक सिटी,

कोलकाता – 700 091

www.cstaricalcutta.gov.in

क्र. सं.	विषय	पृष्ठ सं.
1.	पाठ्यक्रम संबंधी जानकारी	1
2.	प्रशिक्षण प्रणाली	2
3.	नौकरी भूमिका	6
4.	सामान्य जानकारी	7
5.	शिक्षण के परिणाम	9
6.	मूल्यांकन मानदंड	11
7.	ट्रेड पाठ्यक्रम	17
8.	अनुलग्नक I (व्यापारिक औजारों और उपकरणों की सूची)	31
9.	अनुलग्नक II (व्यापार विशेषज्ञों की सूची)	32

1. COURSE INFORMATION

“हेल्थ स्यानिटरी इंस्पेक्टर” ट्रेड की एक वर्ष की अवधि के दौरान, उम्मीदवार को व्यावसायिक कौशल, व्यावसायिक ज्ञान और रोजगार कौशल पर प्रशिक्षित किया जाता है नौकरी की भूमिका से संबंधित। इसके अलावा, उम्मीदवार को आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए प्रोजेक्ट वर्क, पाठ्येतर गतिविधियाँ और ऑन-द-जॉब प्रशिक्षण सौंपा जाता है। व्यावसायिक कौशल विषय के अंतर्गत शामिल व्यापक घटक नीचे दिए गए हैं :

कोर्स के अंत के बाद, प्रशिक्षु दिए गए परिस्थितियों में सभी आयु समूहों के लिए पोषण योजना बनाने में सक्षम होंगे, दिए गए परिस्थितियों के तहत आवश्यकता के अनुसार संतुलित आहार डिजाइन करेंगे और व्यक्ति की विशिष्ट आवश्यकताओं के अनुसार कैलोरी और पोषण संबंधी आवश्यकताओं की गणना और सुझाव देने में भी सक्षम होंगे। विभिन्न कमियों के कारण होने वाली बीमारी की पहचान करें। वे रोग के लक्षणों का आकलन करेंगे, विभिन्न खाद्य मिलावटों का निरीक्षण करेंगे और रिपोर्ट करेंगे और विभिन्न प्रकार के खाद्य पदार्थों के लिए विभिन्न खाद्य संरक्षण तकनीकों का सुझाव भी देंगे। वे पानी और उसके गुणों और जल प्रदूषण के कारणों की पहचान और समझेंगे, शहर/देश आदि में जल उपचार के साथ जल आपूर्ति प्रणाली का सारांश तैयार करेंगे और जल संरक्षण के लिए पाइपलाइन प्रणाली को इकट्ठा करने, वर्षा जल संचयन तकनीक विकसित करने में भी सक्षम होंगे। प्रशिक्षु जल शोधन प्रक्रिया की पहचान और समझने में सक्षम होंगे और पर्यावरण और मानव सुरक्षा की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए शहर/कस्बों की मल-मूत्र को संभालने में भी सक्षम होंगे। वे किसी क्षेत्र या छोटे शहर में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन प्रणाली की योजना बनाएं। वायु प्रदूषण के स्रोतों की पहचान करेंगे और उपयुक्त उपाय सुझाएं और ग्लोबल वार्मिंग, इसके प्रभावों को भी समझेंगे और उपचारात्मक उपाय की पहचान करेंगे। प्रशिक्षु ध्वनि प्रदूषण को कम करने के उपाय सुझाने में सक्षम होंगे, प्रशिक्षु किसी विशेष क्षेत्र की वेंटिलेशन आवश्यकताओं की योजना बनाने और सुझाव देने में सक्षम होंगे। वे सीवर, जाल, प्लंबिंग उपकरणों के निर्माण और रखरखाव में योजना बनाने और मदद करने में सक्षम होंगे और तरल अपशिष्ट के कारण सीवर के स्वास्थ्य के लिए किस प्रकार के खतरे हैं, यह भी जानेंगे। वे मृत जानवरों और मनुष्यों के निपटान के तरीके सुझाएं और विभिन्न प्रकार की मिट्टी की पहचान करने में सक्षम होंगे, सार्वजनिक स्वास्थ्य और भूमि के पुनर्ग्रहण के संबंध में इसका महत्व। वे आवास और मेलों और त्योहारों में चिकित्सा उपायों के स्वच्छता संबंधी नुस्खे की योजना बनाएं और सुझाव देंगे। व्यावसायिक स्वास्थ्य खतरों की पहचान करें। सुरक्षा नियमों का पालन करें। व्यावसायिक बीमारियों को रोके। प्रशिक्षु जैविक वातावरण और छिड़काव उपकरणों के विभिन्न भागों को तैयार करने और नियंत्रित करने में सक्षम होंगे। प्रशिक्षु स्वास्थ्य शिक्षा पर लोगों के लिए जागरूकता कार्यक्रम बनाने, सही व्यवहार और व्यक्तिगत स्वच्छता के महत्व को समझाने, उनके व्यक्तिगत जीवन और समाज पर इसके आहार प्रभाव के बारे में जानेंगे। वे चिकित्सा आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए प्राथमिक उपचार करेंगे, किसी भी बीमारी की तीव्रता का आकलन करेंगे, बीमारी को पहचानेंगे और

हेल्थ स्यानिटरी इंस्पेक्टर

बीमारी को रोकने के लिए समय पर प्राथमिक उपचार प्रदान करेंगे। वे दिए गए टीकाकरण कार्यक्रम का पालन करेंगे और इसके महत्व को समझेंगे। कीटाणुशोधन की पहचान करना और रोगों को नियंत्रित करने और नसबंदी करने के लिए इसका महत्व। प्रशिक्षु व्यक्तिगत स्वच्छता की मूल बातें और किसी व्यक्ति के स्वास्थ्य और व्यक्तित्व पर इसके महत्व को समझने में सक्षम होंगे और मृत्यु दर, जन्म दर, रुग्णता, एमएमआर, आईएमआर आदि जैसे विभिन्न कारकों को पहचानने में भी सक्षम होंगे। जनगणना सर्वेक्षण और डेटा संग्रह के महत्व का विश्लेषण करें, स्वास्थ्य सर्वेक्षण को वर्गीकृत करें। प्रशिक्षु को विभिन्न अधिनियमों की शब्दावली और शब्दावली से परिचित कराया जाएगा।

2.1 सामान्य

कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय के अंतर्गत प्रशिक्षण महानिदेशालय (DGT) अर्थव्यवस्था/श्रम बाजार के विभिन्न क्षेत्रों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए कई व्यावसायिक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम प्रदान करता है। व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रशिक्षण महानिदेशालय (DGT) के तत्वावधान में चलाए जाते हैं। शिल्पकार प्रशिक्षण योजना (CTS) के विभिन्न प्रकार और प्रशिक्षुता प्रशिक्षण योजना (एटीएस) व्यावसायिक प्रशिक्षण को मजबूत करने के लिए डीजीटी की दो अग्रणी योजनाएं हैं।

सीटीएस के तहत 'हेल्थ सेनेटरी इंस्पेक्टर' ट्रेड आईटीआई के नेटवर्क के माध्यम से देश भर में दिए जाने वाले लोकप्रिय पाठ्यक्रमों में से एक है। यह कोर्स एक वर्ष की अवधि का है। इसमें मुख्य रूप से डोमेन क्षेत्र और कोर क्षेत्र शामिल हैं। डोमेन क्षेत्र (ट्रेड थ्योरी और प्रैक्टिकल) पेशेवर कौशल और ज्ञान प्रदान करता है, जबकि कोर क्षेत्र (रोजगार कौशल) आवश्यक कोर कौशल, ज्ञान और जीवन कौशल प्रदान करता है। प्रशिक्षण कार्यक्रम पास करने के बाद, प्रशिक्षु को डीजीटी द्वारा राष्ट्रीय व्यापार प्रमाणपत्र (एनटीसी) प्रदान किया जाता है जिसे दुनिया भर में मान्यता प्राप्त है।

अभ्यर्थियों को मोटे तौर पर यह प्रदर्शित करना होगा कि वे निम्नलिखित में सक्षम हैं:

- तकनीकी मापदंडों/दस्तावेजों को पढ़ना और व्याख्या करना, कार्य प्रक्रियाओं की योजना बनाना और उन्हें व्यवस्थित करना, आवश्यक सामग्रियों और उपकरणों की पहचान करना।
- सुरक्षा नियमों, दुर्घटना रोकथाम विनियमों और पर्यावरण संरक्षण शर्तों को ध्यान में रखते हुए कार्य निष्पादित करें।
- नौकरी करते समय व्यावसायिक कौशल, ज्ञान और रोजगार योग्यता का प्रयोग करें।
- किए गए कार्य से संबंधित तकनीकी मापदंडों का दस्तावेजीकरण करें।

2.2 प्रगति पथ

- हेल्थ स्यानिटरी इंस्पेक्टर के रूप में उद्योग में शामिल हो सकते हैं और वरिष्ठ हेल्थ स्यानिटरी इंस्पेक्टर, पर्यवेक्षक के रूप में आगे बढ़ सकते हैं और प्रबंधक के स्तर तक बढ़ सकते हैं।
- संबंधित क्षेत्र में उद्यमी बन सकते हैं।

हेल्थ स्यानिटरी इंस्पेक्टर

- विभिन्न प्रकार के उद्योगों में प्रशिक्षुता कार्यक्रम में शामिल होकर राष्ट्रीय प्रशिक्षुता प्रमाण पत्र (एनएसी) प्राप्त किया जा सकता है।
- आईटीआई में प्रशिक्षक बनने के लिए शिल्प प्रशिक्षक प्रशिक्षण योजना (सीआईटीएस) में शामिल

क्र. सं.	पाठ्यक्रम तत्व	काल्पनिक प्रशिक्षण घंटे
1	व्यावसायिक कौशल (व्यापारिक व्यावहारिक)	840
2	व्यावसायिक ज्ञान (व्यापार सिद्धांत)	240
3	रोजगार कौशल	120
	कुल	1200

हो सकते हैं।

- डीजीटी के तहत उन्नत डिप्लोमा (व्यावसायिक) पाठ्यक्रम में शामिल हो सकते हैं।

2.3 पाठ्यक्रम संरचना

नीचे दी गई तालिका एक वर्ष की अवधि के दौरान विभिन्न पाठ्यक्रम तत्वों में प्रशिक्षण घंटों के वितरण को दर्शाती है:

हर साल निकटवर्ती उद्योग में 150 घंटे का अनिवार्य ओजेटी (ऑन द जॉब ट्रेनिंग) और जहां उपलब्ध न हो, वहां समूह परियोजना अनिवार्य है।

नौकरी पर प्रशिक्षण (OJT) / समूह परियोजना	150
वैकल्पिक पाठ्यक्रम (आईटीआई प्रमाणीकरण के साथ 10वीं/12वीं कक्षा का प्रमाण पत्र या अतिरिक्त अल्पकालिक पाठ्यक्रम)	240

एक वर्षीय या दो वर्षीय ट्रेड के प्रशिक्षु आईटीआई प्रमाणीकरण के साथ 10वीं/12वीं कक्षा के प्रमाण पत्र के लिए प्रत्येक वर्ष 240 घंटे तक के वैकल्पिक पाठ्यक्रम का विकल्प भी चुन सकते हैं, या, अतिरिक्त अल्पकालिक पाठ्यक्रम भी चुन सकते हैं।

2.4 मूल्यांकन और प्रमाणन

प्रशिक्षणार्थी की कौशल, ज्ञान और दृष्टिकोण का परीक्षण पाठ्यक्रम अवधि के दौरान रचनात्मक मूल्यांकन के माध्यम से किया जाएगा, तथा प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंत में समय-समय पर डीजीटी द्वारा अधिसूचित योगात्मक मूल्यांकन के माध्यम से किया जाएगा।

क) प्रशिक्षण अवधि के दौरान **सतत मूल्यांकन** (आंतरिक) सीखने के परिणामों के विरुद्ध सूचीबद्ध मूल्यांकन मानदंडों के परीक्षण द्वारा **रचनात्मक मूल्यांकन पद्धति द्वारा किया जाएगा**। प्रशिक्षण संस्थान को मूल्यांकन दिशानिर्देश में विस्तृत रूप से व्यक्तिगत **प्रशिक्षु पोर्टफोलियो बनाए रखना होगा**। आंतरिक मूल्यांकन के अंक www.bharatskills.gov.in पर उपलब्ध रचनात्मक मूल्यांकन टेम्पलेट के अनुसार होंगे।

बी) अंतिम मूल्यांकन योगात्मक मूल्यांकन पद्धति के रूप में होगा। एनटीसी प्रदान करने के लिए अखिल भारतीय ट्रेड टेस्ट **परीक्षा नियंत्रक, डीजीटी द्वारा** दिशानिर्देशों के अनुसार आयोजित किया जाएगा। पैटर्न और अंकन संरचना डीजीटी द्वारा अधिसूचित की जा रही है। समय-समय पर। **अंतिम मूल्यांकन के लिए प्रश्नपत्र तैयार करने के लिए सीखने के परिणाम और मूल्यांकन मानदंड आधार होंगे**। अंतिम परीक्षा के दौरान **परीक्षक** व्यावहारिक परीक्षा के लिए अंक देने से पहले मूल्यांकन दिशानिर्देश में विस्तृत रूप से प्रत्येक प्रशिक्षु की प्रोफाइल की भी जाँच करेगा।

2.4.1 पास विनियमन

समग्र परिणाम निर्धारित करने के उद्देश्य से, छह महीने और एक वर्ष की अवधि के पाठ्यक्रमों के लिए 100% का वेटेज लागू किया जाता है और दो साल के पाठ्यक्रमों के लिए प्रत्येक परीक्षा में 50% वेटेज लागू किया जाता है। ट्रेड प्रैक्टिकल और फॉर्मेटिव असेसमेंट के लिए न्यूनतम पास प्रतिशत 60% है और अन्य सभी विषयों के लिए 33% है। कोई ग्रेस मार्क्स नहीं होगा।

2.4.2 मूल्यांकन दिशानिर्देश

यह सुनिश्चित करने के लिए उचित व्यवस्था की जानी चाहिए कि मूल्यांकन में कोई कृत्रिम बाधा न आए। मूल्यांकन करते समय विशेष आवश्यकताओं की प्रकृति को ध्यान में रखा जाना चाहिए। मूल्यांकन करते समय टीमवर्क, स्कैप/अपव्यय से बचना/कम करना और प्रक्रिया के अनुसार

हेल्थ स्यानिटरी इंस्पेक्टर

स्क्रेप/अपव्यय का निपटान, व्यवहारिक दृष्टिकोण, पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता और प्रशिक्षण में नियमितता पर उचित विचार किया जाना चाहिए। योग्यता का मूल्यांकन करते समय OSHE के प्रति संवेदनशीलता और स्व-शिक्षण दृष्टिकोण पर विचार किया जाना चाहिए।

मूल्यांकन साक्ष्य आधारित होगा जिसमें निम्नलिखित कुछ बातें शामिल होंगी:

- प्रयोगशाला/कार्यशाला में किया गया कार्य
- रिकॉर्ड बुक/दैनिक डायरी
- मूल्यांकन की उत्तर पुस्तिका
- मौखिक
- प्रगति चार्ट
- उपस्थिति और समय की पाबंदी
- कार्यभार
- परियोजना कार्य
- कंप्यूटर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्न परीक्षा
- व्यावहारिक परीक्षा

प्रारंभिक मूल्यांकन के लिए निम्नलिखित अंकन पैटर्न अपनाया जाना चाहिए :

पेश करने का स्तर	प्रमाण
(क) मूल्यांकन के दौरान 60-75% अंक आवंटित किए जाएंगे	
इस ग्रेड में प्रदर्शन के लिए, उम्मीदवार को ऐसा कार्य करना चाहिए जो समय-समय पर मार्गदर्शन के साथ शिल्प कौशल के स्वीकार्य मानक की प्राप्ति को प्रदर्शित करता हो, तथा सुरक्षा प्रक्रियाओं और प्रथाओं के प्रति उचित सम्मान प्रदर्शित करता हो।	• कार्य/कार्य के क्षेत्र में अच्छे कौशल और सटीकता का प्रदर्शन। • नौकरी की गतिविधियों को पूरा करने के लिए साफ-सफाई और स्थिरता का एक काफी अच्छा स्तर। • कार्य/नौकरी को पूरा करने में कभी-कभी सहायता।
(बी) मूल्यांकन के दौरान 75% - 90% की सीमा में अंक आवंटित किए जाएंगे	

हेल्थ स्यानिटरी इंस्पेक्टर

इस ग्रेड के लिए, अभ्यर्थी को ऐसा कार्य करना चाहिए जो शिल्प कौशल के उचित मानक की प्राप्ति को प्रदर्शित करता हो, जिसमें बहुत कम मार्गदर्शन हो, तथा सुरक्षा प्रक्रियाओं और प्रथाओं का ध्यान रखा गया हो।	- कार्य/असाइनमेंट के क्षेत्र में अच्छा कौशल स्तर और सटीकता। - नौकरी की गतिविधियों को पूरा करने के लिए साफ-सफाई और स्थिरता का एक अच्छा स्तर। - कार्य/नौकरी को पूरा करने में कम सहयोग मिलना।
(ग) मूल्यांकन के दौरान 90% से अधिक अंक आवंटित किए जाएंगे	
इस ग्रेड में प्रदर्शन के लिए, उम्मीदवार को संगठन और निष्पादन में न्यूनतम या बिना किसी सहायता के तथा सुरक्षा प्रक्रियाओं और प्रथाओं के प्रति उचित सम्मान के साथ ऐसा कार्य करना होगा जो शिल्प कौशल के उच्च मानक की प्राप्ति को प्रदर्शित करता हो।	- कार्य/कार्य के क्षेत्र में उच्च कौशल स्तर और सटीकता। - नौकरी की गतिविधियों को पूरा करने के लिए उच्च स्तर की साफ-सफाई और स्थिरता। - कार्य/नौकरी को पूरा करने में न्यूनतम या कोई सहायता नहीं मिलना।

स्वच्छता निरीक्षक; स्वास्थ्य सहायक निर्दिष्ट क्षेत्र में सार्वजनिक स्वास्थ्य के मानक को बनाए रखने और सुधारने के लिए उपाय करता है। घरों, दुकानों, कारखानों, मनोरंजन स्थलों, बाजारों, नालियों, मल-मूत्र डिपो, कूड़ा डिपो, शौचालयों, कब्रिस्तान और श्मशान घाट आदि का निरीक्षण करता है और सार्वजनिक स्वास्थ्य गतिविधियाँ जैसे कीटाणुशोधन, मलेरिया-रोधी और महामारी-रोधी उपाय करता है। यह सुनिश्चित करने के लिए कि बेचे जाने वाले भोजन और खाद्य पदार्थ सार्वजनिक उपभोग के लिए उपयुक्त हैं, होटल, रेस्तरां आदि का निरीक्षण करता है। सफाई से संबंधित शिकायतों पर ध्यान देता है। संक्रामक रोगों के प्रकोप की सूचना अधिकारियों को देता है और निवारक उपाय करता है। सफाई और सार्वजनिक स्वास्थ्य नियमों का उल्लंघन करने वाले व्यक्तियों के खिलाफ मुकदमा चलाने के लिए अदालतों में जाता है और टीकाकरण का काम करता है। सफाई दरोगाओं के काम को नियंत्रित और पर्यवेक्षण करता है। अपने अधिकार क्षेत्र में खाते और पत्राचार बनाए रख सकता है, जन्म और मृत्यु के आंकड़े संकलित कर सकता

संदर्भ एनसीओ कोड 2015:

a) 3257.0100 – स्वच्छता निरीक्षक

संदर्भ संख्या: -

- | | |
|-------------------|-------------------|
| a) एम्आईएन/एन1702 | m) एम्आईएन/एन9432 |
| b) एम्आईएन/एन1703 | n) एम्आईएन/एन9433 |
| c) एम्आईएन/एन1704 | o) एम्आईएन/एन9434 |
| d) एम्आईएन/एन1705 | p) एम्आईएन/एन9435 |
| e) एम्आईएन/एन0459 | q) एम्आईएन/एन9436 |
| f) एम्आईएन/एन0460 | r) एम्आईएन/एन9437 |
| g) एचसीएस/एन9902 | s) एम्आईएन/एन9438 |
| h) एचसीएस/एन9903 | t) एम्आईएन/एन9439 |
| i) एम्आईएन/एन9428 | u) एम्आईएन/एन9440 |
| j) एम्आईएन/एन9429 | v) एम्आईएन/एन9441 |
| k) एम्आईएन/एन9430 | w) एम्आईएन/एन9442 |
| l) एम्आईएन/एन9431 | |

4. GENERAL INFORMATION

व्यापार का नाम	हेल्थ स्यानिटरी इंस्पेक्टर		
व्यापार कोड	डीजीटी/1012		
एनसीओ - 2015	3257.0100		
एनओएस कवर	एम्आईएन/एन1702, एम्आईएन/एन1705, एचसीएस/एन9902, एम्आईएन/एन9429, एम्आईएन/एन9432, एम्आईएन/एन9435, एम्आईएन/एन9438, एम्आईएन/एन9441,	एम्आईएन/एन1703, एम्आईएन/एन0459, एचसीएस/एन9903, एम्आईएन/एन9430, एम्आईएन/एन9433, एम्आईएन/एन9436, एम्आईएन/एन9439, एम्आईएन/एन9442	एम्आईएन/एन1704, एम्आईएन/एन0460, एम्आईएन/एन9428, एम्आईएन/एन9431, एम्आईएन/एन9434, एम्आईएन/एन9437, एम्आईएन/एन9440,
एनएसक्यूएफ स्तर	स्तर 3.5		
शिल्पकार प्रशिक्षण की अवधि	एक वर्ष (1200 घंटे+150 घंटे OJT/ समूह परियोजना)		
प्रवेश योग्यता	वीं कक्षा की परीक्षा उत्तीर्ण		
न्यूनतम आयु	शैक्षणिक सत्र के प्रथम दिन 14 वर्ष।		
दिव्यांगजनों के लिए पात्रता	एलडी, एलसी, डीडब्ल्यू, एए, एलवी, एचएच, बधिर, ऑटिज्म, एसएलडी, आईडी		
इकाई क्षमता (छात्रों की संख्या)	24 (अतिरिक्त सीटों का कोई अलग प्रावधान नहीं है)		
अंतरिक्ष मानदंड	40 वर्ग मीटर		
शक्ति मानदंड	4.0 किलोवाट		
प्रशिक्षकों के लिए योग्यता:			
(i) हेल्थ स्यानिटरी इंस्पेक्टर	मान्यता प्राप्त बोर्ड से सेनेटरी इंस्पेक्टर में डिप्लोमा (न्यूनतम 2 वर्ष) या डीजीटी से प्रासंगिक एडवांस डिप्लोमा (वोकेशनल) के साथ संबंधित क्षेत्र में दो वर्ष का योग्यता-पश्चात अनुभव। या “हेल्थ स्यानिटरी इंस्पेक्टर” के ट्रेड में एनटीसी/एनएसी उत्तीर्ण तथा संबंधित क्षेत्र में तीन वर्ष का अनुभव।		

	आवश्यक योग्यता : डीजीटी के तहत राष्ट्रीय शिल्प प्रशिक्षक प्रमाणपत्र (एनसीआईसी) के नियमित / आरपीएल संस्करण । नोट :- 2(1+1) यूनिट के लिए आवश्यक दो प्रशिक्षकों में से एक के पास डिग्री/डिप्लोमा होना चाहिए और दूसरे के पास एनटीसी/एनएसी योग्यता होनी चाहिए। हालाँकि, दोनों के पास एनसीआईसी के किसी भी प्रकार की योग्यता होनी चाहिए।
(ii) रोजगार योग्यता कौशल	एमबीए/बीबीए/किसी भी विषय में स्नातक/डिप्लोमा तथा रोजगार कौशल में लघु अवधि टीओटी पाठ्यक्रम के साथ दो वर्ष का अनुभव। (12वीं/डिप्लोमा स्तर और उससे ऊपर अंग्रेजी/संचार कौशल और बेसिक कंप्यूटर का अध्ययन किया होना चाहिए) या आईटीआई में मौजूदा सामाजिक अध्ययन प्रशिक्षक रोजगार कौशल में लघु अवधि टीओटी पाठ्यक्रम।
(iii) प्रशिक्षक के लिए न्यूनतम आयु	21 वर्ष
औज़ारों और उपकरणों की सूची	अनुलग्नक-1 के अनुसार

सीखने के परिणाम प्रशिक्षु की कुल दक्षताओं का प्रतिबिंब होते हैं और मूल्यांकन मानदंडों के अनुसार मूल्यांकन किया जाएगा।

5.1 सीखने के परिणाम:

1. सुरक्षा सावधानियों का पालन करते हुए दी गई परिस्थितियों में सभी आयु समूहों के लिए पोषण योजना बनाएं। (एनओएस: एम्आईएन/एन9429)
2. दी गई परिस्थितियों के अनुसार संतुलित आहार तैयार करें। (एनओएस: एम्आईएन/एन9429)
3. व्यक्ति की विशिष्ट आवश्यकताओं के अनुसार कैलोरी और पोषण संबंधी आवश्यकताओं की गणना करें और सुझाव दें। (एनओएस: एम्आईएन/एन9429)
4. विभिन्न कमियों के कारण होने वाली बीमारियों की पहचान करें। (एनओएस: एम्आईएन/एन9429)
5. रोग के लक्षणों का आकलन करें। (एनओएस: एम्आईएन/एन9429)
6. विभिन्न खाद्य पदार्थों में मिलावट की जांच करें और उसकी रिपोर्ट दें। (एनओएस: एम्आईएन/एन9429)
7. विभिन्न प्रकार के खाद्य पदार्थों के लिए अलग-अलग खाद्य संरक्षण तकनीकों का सुझाव दें। (एनओएस: एम्आईएन/एन9429)
8. जल और उसके गुणों तथा जल प्रदूषण के कारणों को पहचानें और समझें। शहर/देहात आदि में जल उपचार के साथ जल आपूर्ति प्रणाली का सारांश दें। (एनओएस: एम्आईएन/एन9430)
9. जल संरक्षण के लिए नलसाजी प्रणाली को इकट्ठा करें। (एनओएस: एम्आईएन/एन9430)
10. वर्षा जल संचयन तकनीक विकसित करें। (एनओएस: एम्आईएन/एन9430)
11. जल शुद्धिकरण प्रक्रिया को पहचानें और समझें। (एनओएस: एम्आईएन/एन9430)
12. शहर/कस्बे की गंदगी को पर्यावरण और मानव की सुरक्षा के साथ संभालें। (एनओएस: एम्आईएन/एन9431)
13. किसी क्षेत्र या छोटे शहर में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन प्रणाली की योजना बनाएं। (संख्या: एम्आईएन/एन1702, एम्आईएन/एन1703, एम्आईएन/एन1704, एम्आईएन/एन1705)
14. जैव चिकित्सा और ई-अपशिष्ट प्रबंधन प्रणाली का अभ्यास करें। (एनओएस: एम्आईएन/एन9428)

हेल्थ स्यानिटरी इंस्पेक्टर

15. वायु प्रदूषण के स्रोतों की पहचान करें और उपयुक्त उपाय सुझाएँ। (संख्या: एम्आईएन/एन1702, एम्आईएन/एन1703, एम्आईएन/एन1704, एम्आईएन/एन1705)
16. ग्लोबल वार्मिंग के प्रभावों की व्याख्या करें और उपचारात्मक उपायों की पहचान करें। (एनओएस: एम्आईएन/एन9432)
17. ध्वनि प्रदूषण को कम करने के उपाय सुझाएँ। (संख्या: एम्आईएन/एन1702, एम्आईएन/एन1703, एम्आईएन/एन1704, एम्आईएन/एन1705)
18. किसी विशेष क्षेत्र की वेंटिलेशन आवश्यकताओं की योजना बनाएं और सुझाव दें। (एनओएस: एम्आईएन/एन0459, एम्आईएन/एन0460)
19. तरल अपशिष्ट और निपटान की अवधारणा को स्पष्ट करें। सीवर के प्रकार, तरल अपशिष्ट के कारण होने वाले स्वास्थ्य संबंधी खतरों को जानें। (एनओएस: एम्आईएन/एन9433)
20. सीवर, ट्रैप, प्लंबिंग उपकरण आदि के निर्माण और रखरखाव की योजना बनाना और उसमें सहायता करना। (एनओएस: एम्आईएन/एन9433)
21. मृत पशुओं और मनुष्यों के निपटान के तरीके सुझाएँ। (एनओएस: एम्आईएन/एन9434)
22. विभिन्न प्रकार की मिट्टी की पहचान, सार्वजनिक स्वास्थ्य और भूमि सुधार के संबंध में इसका महत्व। (एनओएस: एम्आईएन/एन9434)
23. आवास, मेलों और उत्सवों में चिकित्सा उपायों के स्वच्छता संबंधी नुस्खे की योजना बनाना और सुझाव देना। (एनओएस: एम्आईएन/एन9435)
24. व्यावसायिक स्वास्थ्य खतरों की पहचान करें। सुरक्षा नियमों का पालन करें। व्यावसायिक बीमारियों को रोके। (एनओएस: एम्आईएन/एन9436)
25. जैविक वातावरण और छिड़काव उपकरण के विभिन्न भागों को तैयार करना और नियंत्रित करना। (एनओएस: एम्आईएन/एन9437)
26. स्वास्थ्य शिक्षा पर जनता के लिए जागरूकता कार्यक्रम चलाना। (एनओएस: एम्आईएन/एन9438)
27. सही व्यवहार और व्यक्तिगत स्वच्छता के महत्व को समझाएं, उनके व्यक्तिगत जीवन और समाज पर इसके प्रत्यक्ष प्रभाव को जानें। (एनओएस: एम्आईएन/एन9439)
28. चिकित्सा संबंधी आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए प्राथमिक उपचार करें। (एनओएस: एम्आईएन/एन9440)
29. किसी भी बीमारी की तीव्रता का आकलन करें, बीमारी को पहचानें और बीमारी को रोकने के लिए

हेल्थ स्यानिटरी इंस्पेक्टर

समय पर प्राथमिक उपचार प्रदान करें। (एनओएस: एम्आईएन/एन9441)

30. दिए गए टीकाकरण कार्यक्रम का पालन करें और इसके महत्व को समझें। (एनओएस: एम्आईएन/एन9441)
31. कीटाणुशोधन की पहचान करें और रोगों को नियंत्रित करने के लिए इसके महत्व को पहचानें। नसबंदी करें। (एनओएस: एम्आईएन/एन9441)
32. बुनियादी व्यक्तिगत स्वच्छता का पालन करें और किसी व्यक्ति के स्वास्थ्य और व्यक्तित्व पर इसके प्रभाव की व्याख्या करें। (एनओएस: एचसीएस/एन9902, एचसीएस/एन9903)
33. मृत्यु दर, जन्म दर, रुग्णता, एमएमआर, आईएमआर आदि जैसे विभिन्न कारकों को पहचानना तथा जनगणना सर्वेक्षण और डेटा संग्रह के महत्व का विश्लेषण करना। (एनओएस: एम्आईएन/एन9442)
34. स्वास्थ्य सर्वेक्षण को वर्गीकृत करें। (एनओएस: एम्आईएन/एन9442)
35. विभिन्न अधिनियमों की शब्दावली और शब्दावली से परिचित होना। (एनओएस: एम्आईएन/एन9442)

सीखने के परिणाम	मूल्यांकन मानदंड
1. सुरक्षा सावधानियों का पालन करते हुए दी गई परिस्थितियों में सभी आयु समूहों के लिए पोषण योजना बनाएं। (एनओएस: एम्आईएन/एन9429)	विभिन्न पोषक तत्वों की पहचान करें।
	पोषक तत्वों की आवश्यकताओं की पहचान करें।
	महत्व पर गौर करें।
	2. दिए गए आयु वर्ग के लिए पोषण योजना बनाएं।
3. दी गई परिस्थितियों के अनुसार आवश्यकतानुसार संतुलित आहार तैयार करें। (एनओएस: एम्आईएन/एन9429)	भोजन के घटकों और उसके पोषण कारकों की पहचान करें।
	विभिन्न खाद्य पदार्थों के कैलोरी और पोषक तत्वों की पहचान करें।
	लिये गये खाद्य पदार्थों की कैलोरी और कुल पोषक तत्वों की गणना करें।
	आवश्यकता और दी गई परिस्थितियों के अनुसार विभिन्न खाद्य पदार्थों का उपयोग करके संतुलित आहार योजना बनाएं।
4. व्यक्ति की विशिष्ट आवश्यकताओं के अनुसार कैलोरी और पोषण संबंधी आवश्यकताओं की गणना करें और सुझाव दें। (एनओएस: एम्आईएन/एन9429)	उपलब्ध विभिन्न खाद्य पदार्थों को उनकी कैलोरी और पोषक तत्वों के साथ पहचानें।
	विभिन्न कार्यों और स्थितियों के लिए आवश्यक कैलोरी और पोषक तत्वों की पहचान करें।
	व्यक्ति की स्वास्थ्य स्थिति और उसके द्वारा किए जा रहे कार्य की प्रकृति के आधार पर उसकी पहचान करें।
	दिए गए व्यक्ति और स्थिति के अनुसार कैलोरी और पोषण आवश्यकताओं की गणना करें और सुझाव दें।
5. विभिन्न कमियों के कारण होने वाली बीमारियों की पहचान करें। (एनओएस: एम्आईएन/एन9429)	कमियों वाले विभिन्न व्यक्तियों की पहचान करें।
	विभिन्न कमी सिंड्रोम की पहचान करें।
	विभिन्न पोषण संबंधी कमियों की पहचान करें।
	पोषण की कमी के कारण होने वाली विभिन्न बीमारियों की पहचान करें।
	लक्षणों की पहचान करें और आवश्यक पोषण आहार का सुझाव दें।

हेल्थ स्यानिटरी इंस्पेक्टर

6. रोग के लक्षणों का आकलन करें. (एनओएस: एम्आईएन/एन9429)	विभिन्न रोगों से ग्रस्त व्यक्तियों की पहचान करें।
	कार्य और जीवन की विभिन्न स्थितियों के कारण होने वाली सामान्य बीमारियों की पहचान करें।
	रोग के लक्षणों को पहचानें
	विभिन्न रोगों के लक्षणों का आकलन करें।
7. विभिन्न खाद्य पदार्थों में मिलावट का निरीक्षण करें और उसकी रिपोर्ट दें। (एनओएस: एम्आईएन/एन9429)	विभिन्न खाद्य पदार्थों की पहचान करें जिनमें आमतौर पर मिलावट होती है।
	खाद्य पदार्थों में मिलावट का पता लगाने के लिए जाँचे जाने वाले मापदंडों की पहचान करें।
	उपलब्ध भोजन के आदर्श कारकों पर ध्यान दें।
	विभिन्न खाद्य पदार्थों में मिलावट की जांच करें।
	विभिन्न परीक्षण करके खाद्य पदार्थों में मिलावट की रिपोर्ट करें।
8. विभिन्न प्रकार के खाद्य पदार्थों के लिए अलग-अलग खाद्य संरक्षण तकनीकों का सुझाव दें। (एनओएस: एम्आईएन/एन9429)	विभिन्न खाद्य पदार्थों को उनकी शीघ्र खराब होने की क्षमता के आधार पर पहचानें।
	नमक और चीनी का उपयोग करके सामान्य खाद्य संरक्षण तकनीकों को लागू करें।
	विभिन्न प्रकार की परिरक्षण तकनीकों की पहचान करें। खाद्य परिरक्षण के लिए प्रशीतन तकनीकों का पालन करें।
	उपयोग में आने वाली संरक्षण प्रणालियों की पहचान करें।
	उपरोक्त कारकों को ध्यान में रखें और विभिन्न प्रकार के खाद्य पदार्थों के लिए खाद्य संरक्षण तकनीक का सुझाव दें।
9. जल और उसके गुणों तथा जल प्रदूषण के कारणों को पहचानें और समझें। शहर/देहात आदि में जल उपचार के साथ जल आपूर्ति प्रणाली का सारांश दें।	जल के संसाधनों की पहचान करें।
	जल प्रदूषण के विभिन्न स्रोतों को पहचानें।
	जल जनित रोगों, कारणों, प्रभावों और लक्षणों को समझें।
	भौतिक, रासायनिक और जीवाणु संबंधी पहलुओं में जल के विभिन्न मापदंडों के साथ विभिन्न प्रकार की जल गुणवत्ता की पहचान करना।
	पारंपरिक से लेकर आधुनिक तक विभिन्न जल उपचार तकनीकों को समझें।

हेल्थ स्यानिटरी इंस्पेक्टर

(एनओएस: एम्आईएन/एन9430)	
10. जल संरक्षण के लिए नलसाज़ी प्रणाली को इकट्ठा करें। (एनओएस: एम्आईएन/एन9430)	घरेलू एवं व्यावसायिक स्तर पर जल संरक्षण तकनीक की पहचान करना। ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों जैसे विभिन्न क्षेत्रों में जल आपूर्ति प्रणाली की पहचान करें। जल प्रदूषण के नियंत्रण उपायों की पहचान करना और उन्हें मान्यता देना। जल संरक्षण तकनीकों को शामिल करते हुए पाइपलाइन प्रणाली को इकट्ठा करना।
11. वर्षा जल संचयन तकनीक विकसित करें। (एनओएस: एम्आईएन/एन9430)	वर्षा जल संचयन प्रक्रिया को समझें। विभिन्न वर्षा जल संचयन तकनीक को वर्गीकृत करें। दिए गए स्थान पर वर्षा जल संचयन गड्ढों का निर्माण कार्य लागू करें।
12. जल शुद्धिकरण प्रक्रिया को पहचानें और समझें। (एनओएस: एम्आईएन/एन9430)	ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में जल शुद्धिकरण के विभिन्न प्रकारों को समझें। जल संसाधनों एवं पेयजल की कीटाणुशोधन प्रक्रिया। ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों जैसे विभिन्न क्षेत्रों में जल आपूर्ति प्रणाली की पहचान करें। जल प्रदूषण के नियंत्रण उपायों की पहचान करना और उन्हें मान्यता देना। जल उपचार संयंत्र और प्रक्रिया की पहचान करें।
13. शहर/कस्बों की गंदगी को पर्यावरण और मानव की सुरक्षा के साथ संभालें। (एनओएस: एम्आईएन/एन9431)	खारे पानी, सीवेज बहिःस्राव और मल के बीच अंतर पहचानें। मिट्टी, जल संसाधन, वातावरण आदि पर नाइट सोइल के विभिन्न प्रभावों को पहचानें। रात के मल के अस्वास्थ्यकर निपटान के कारण होने वाली विभिन्न प्रकार की मल जनित बीमारियों को समझें। शौचालयों के विभिन्न प्रकारों और उनके निर्माण की पहचान करें। सीवेज उपचार संयंत्र की पहचान करें और प्रक्रिया आरेख को समझें।

14. किसी क्षेत्र या छोटे शहर में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन प्रणाली की योजना बनाएं। (एनओएस: एम्आईएन/एन1702, एम्आईएन/एन1703, एम्आईएन/एन1704, एम्आईएन/एन1705)	विभिन्न अपशिष्ट पदार्थों को पहचानें। उन संसाधनों को पहचानें जो ठोस अपशिष्ट को बढ़ाते हैं। अपशिष्ट का वर्गीकरण एवं संग्रहण करें। पृथक्करण तकनीक लागू करें और कचरे को अलग अलग करें। अपशिष्ट निपटान के लिए उपयुक्त निपटान तकनीक लागू करें। बायोगैस संयंत्र की कार्यप्रणाली को पहचानें। पुनर्चक्रण के सिद्धांतों को लागू करें।
15. जैव चिकित्सा अपशिष्ट और ई-प्रबंधन का अभ्यास करें (एनओएस: एम्आईएन/एन9428)	संक्रामक अपशिष्ट के पृथक्करण, पैकेजिंग, भंडारण, परिवहन की तकनीकों को लागू करें जैव चिकित्सा अपशिष्ट के लिए विभिन्न उपचार विधि का प्रदर्शन खतरनाक अपशिष्ट के संचयन, भंडारण और निपटान की प्रक्रिया का प्रदर्शन
16. वायु प्रदूषण के स्रोतों की पहचान करें और उपयुक्त उपाय सुझाएँ। (एनओएस: एम्आईएन/एन1702, एम्आईएन/एन1703, एम्आईएन/एन1704, एम्आईएन/एन1705)	वायु प्रदूषण के स्रोतों की पहचान करें। वायु प्रदूषण की गंभीरता की पहचान करें। वायु प्रदूषण को रोकने के लिए निवारक उपाय सुझाएँ।
17. ग्लोबल वार्मिंग के प्रभावों की व्याख्या करें और उपचारात्मक उपायों की पहचान करें। (एनओएस: एम्आईएन/एन9432)	ग्लोबल वार्मिंग और उसके प्रभावों को जानें। थर्मामीटर का उपयोग करके वायुमंडलीय तापमान मापें। वेंटिलेशन की आवश्यकता की पहचान करें।

18. ध्वनि प्रदूषण को कम करने के उपाय सुझाएँ। (एनओएस: एम्आईएन/एन1702, एम्आईएन/एन1703, एम्आईएन/एन1704, एम्आईएन/एन1705)	ध्वनि प्रदूषण के प्रभावों को समझें। ध्वनि प्रदूषण को मापें। ध्वनि प्रदूषण के कारणों की पहचान करें। ध्वनि प्रदूषण को कम करने के लिए उठाए जाने वाले कदमों का सुझाव दीजिए।
19. किसी विशेष क्षेत्र की वेंटिलेशन आवश्यकताओं की योजना बनाएं और सुझाव दें। (संख्या: न्यूनतम/ N0459, न्यूनतम/ N0460)	वेंटिलेशन की अवधारणा को समझें। वेंटिलेशन के प्रकारों को चित्रित करें। वेंटिलेशन की आवश्यकता को पहचानें। किसी विशेष क्षेत्र की वेंटिलेशन आवश्यकताओं का सुझाव दें।
20. तरल अपशिष्ट और निपटान की अवधारणा को स्पष्ट करें। सीवर के प्रकार, तरल अपशिष्ट के कारण होने वाले स्वास्थ्य संबंधी खतरों के बारे में जानें। (एनओएस: एम्आईएन/एन9433)	तरल अपशिष्ट के विभिन्न स्रोतों का अवलोकन करें। मानव अपशिष्ट प्रबंधन प्रणाली को समझें। तरल अपशिष्ट के कारण होने वाले स्वास्थ्य संबंधी खतरों की पहचान करें।
21. सीवर, ट्रेप्स, प्लंबिंग उपकरण आदि के निर्माण एवं रखरखाव की योजना बनाना तथा उसमें सहायता करना। (एनओएस: एम्आईएन/एन9433)	सीवरेज प्रणाली के प्रकार और उनकी कार्यप्रणाली को समझें। विभिन्न प्रकार के जालों की पहचान करें। जाल के उपयोग और कार्यप्रणाली को समझें।

22.मृत पशुओं और मनुष्यों के निपटान के तरीके सुझाएँ। (एनओएस: एम्आईएन/एन9434)	कानूनी प्रावधानों के अनुसार शव के उचित निपटान और अभिलेखों के रखरखाव के महत्व पर ध्यान दें।
	मृतकों के संरक्षण के तरीकों का वर्णन करें।
	दफन और श्मशान भूमि की बुनियादी आवश्यकताओं की पहचान करें।
23.विभिन्न प्रकार की मिट्टी की पहचान, सार्वजनिक स्वास्थ्य और भूमि सुधार के संबंध में इसका महत्व। (एनओएस: एम्आईएन/एन9434)	मिट्टी के प्रकार और उसके महत्व को पहचानें।
	मिट्टी के कृषि लाभों की पहचान करें।
	मिट्टी में नमी के स्तर का निरीक्षण करें।
	भूमि पुनर्ग्रहण की अवधारणा को समझें।
24.आवास तथा मेलों एवं उत्सवों में चिकित्सा उपायों के स्वच्छता संबंधी नुस्खे की योजना बनाना तथा सुझाव देना। (एनओएस: एम्आईएन/एन9435)	स्वस्थ आवास की अवधारणा को समझें।
	घर की स्वच्छता संबंधी आवश्यकता की पहचान करें।
	आवास के महत्व और इसके अच्छे स्वास्थ्य प्रभावों की व्याख्या करें।
	मेले में स्वच्छता की आवश्यकताओं की पहचान करें।
	किसी विशेष आयोजन के लिए आवश्यक स्वच्छता सुविधाओं की अनुमानित संख्या।
	किसी बड़ी सभा के लिए आपातकालीन स्वच्छता, भोजन, जल आपूर्ति की योजना बनाएं।
25.व्यावसायिक स्वास्थ्य खतरों की पहचान करें। सुरक्षा नियमों का पालन करें। व्यावसायिक बीमारियों को रोकेँ। (एनओएस: एम्आईएन/एन9436)	कर्मचारियों के लिए व्यावसायिक खतरों की पहचान करें।
	व्यावसायिक खतरों को नियंत्रित करने के लिए विभिन्न सुरक्षा कार्यक्रमों और उपकरणों की पहचान करें।
	श्रमिकों की स्वास्थ्य सुरक्षा के लिए उपाय लागू करें।

हेल्थ स्यानिटरी इन्स्पेक्टर

26. जैविक वातावरण और छिड़काव उपकरण के विभिन्न भागों की तैयारी और नियंत्रण। (एनओएस: एम्आईएन/एन9437)	कीट घरे और कीटाणुनाशक की पहचान करें और उनका उपयोग करें।
	विभिन्न वस्तुओं के विसंक्रमण और कीटाणुशोधन की तकनीक में अंतर बताइए।
	छिड़काव उपकरण के विभिन्न भागों की पहचान करें।
	छिड़काव उपकरण के संचालन और रखरखाव की पहचान करें।
	लार्वासाइडल्स की पहचान करें।
	कृतकनाशकों की पहचान करें।
27. स्वास्थ्य शिक्षा पर जनता के लिए जागरूकता कार्यक्रम चलाना। (एनओएस: एम्आईएन/एन9438)	स्वास्थ्य शिक्षा के महत्व को समझें।
	स्वास्थ्य निरीक्षक के लिए कार्य के अवसरों की पहचान करें।
	स्वास्थ्य शिक्षा जागरूकता कार्यक्रम की योजना बनाएं।
	स्वास्थ्य शिक्षा जागरूकता में योगदान दें।
28. सही व्यवहार और व्यक्तिगत स्वच्छता के महत्व को समझाएं, तथा अपने व्यक्तिगत जीवन और समाज पर इसके प्रत्यक्ष प्रभाव के बारे में जानें। (एनओएस: एम्आईएन/एन9439)	व्यवहार का महत्व जानें।
	व्यक्तिगत स्वच्छता पर व्यवहार का प्रभाव।
	आयु समूहों के अनुसार व्यवहारगत परिवर्तनों की पहचान करें।
	रक्षा तंत्र की अवधारणा को समझें।
29. चिकित्सा संबंधी आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए प्राथमिक उपचार करें। (एनओएस: एम्आईएन/एन9440)	सी.पी.आर. करें।
	प्राथमिक चिकित्सा बॉक्स बनाएं।
	पट्टियों के प्रकार पहचानें।
	जब आवश्यक हो तो ट्रेसिंग करें।
	हताहतों का उचित ढंग से इलाज करें।
	पीड़ितों का परिवहन और देखभाल की जा सकेगी।
	विभिन्न परिस्थितियों में प्राथमिक चिकित्सा प्रक्रियाएं निष्पादित करें।

30. किसी भी बीमारी की तीव्रता का आकलन करें, बीमारी को पहचानें और बीमारी को रोकने के लिए समय पर प्राथमिक उपचार प्रदान करें। (एनओएस: एम्आईएन/एन9441)	रोगों के लक्षणों की पहचान करें।
	रोग के प्रकार की पहचान करें/ चाहे वह संक्रामक हो या गैर संक्रामक।
	किसी भी बीमारी में बरती जाने वाली सावधानियों का मार्गदर्शन करें।
	किसी भी बीमारी को रोकने के लिए निवारक उपाय लागू करें।
31. दिए गए टीकाकरण कार्यक्रम का पालन करें और इसके महत्व को समझें। (एनओएस: एम्आईएन/एन9441)	विभिन्न टीकाकरणों के लिए आयु समूह की पहचान करें।
	प्राकृतिक टीकाकरण कार्यक्रम को समझें।
	टीकाकरण के महत्व को समझें।
32. कीटाणुशोधन की पहचान करें और रोगों को नियंत्रित करने के लिए इसके महत्व को समझें। नसबंदी करें। (एनओएस: एम्आईएन/एन9441)	कीटाणुशोधन और बंध्यीकरण की आवश्यकता को समझें।
	अस्पतालों में कीटाणुशोधन और बंध्यीकरण प्रक्रिया की पहचान करना।
	विभिन्न कीटाणुशोधन एजेंटों की पहचान करें।
	कीटाणुनाशकों का प्रभावी ढंग से उपयोग करें।
	नसबंदी प्रक्रिया को अंजाम दें।
33. बुनियादी व्यक्तिगत स्वच्छता का पालन करें और व्यक्ति के स्वास्थ्य और व्यक्तित्व पर इसके प्रभाव की व्याख्या करें। (एनओएस: एचसीएस/एन9902,	व्यक्तिगत स्वच्छता की आदतों के महत्व को समझें।
	अपने नाखूनों और हाथों की सफाई आदि का उचित ध्यान रखें।
	दंत चिकित्सा देखभाल प्रक्रियाओं का ध्यान रखें।
	नियमित रूप से हाथ धोने की आदत विकसित होती है।
	स्वस्थ भोजन की आदत विकसित होती है।
	नियमित व्यायाम और व्यक्तिगत स्वच्छता की आदतों में सुधार से व्यक्तित्व बेहतर होता है।

हेल्थ स्यानिटरी इंस्पेक्टर

एचसीएस/एन9903)	
34.मृत्यु दर, जन्म दर, रुग्णता, एमएमआर, आईएमआर आदि जैसे विभिन्न कारकों को पहचानना तथा जनगणना सर्वेक्षण और डेटा संग्रहण के महत्व का विश्लेषण करना। (एनओएस: एम्आईएन/एन9442)	जनसांख्यिकी को समझें:
	मृत्यु दर, जन्म दर, एमएमआर, आईएमआर आदि की पहचान करें।
	जनगणना के महत्व को समझें।
35.स्वास्थ्य सर्वेक्षण को वर्गीकृत करें। (एनओएस: एम्आईएन/एन9442)	सर्वेक्षण करें:
	सर्वेक्षण फॉर्म भरें:
	डेटा संग्रहण करें:
	स्वास्थ्य सर्वेक्षणों का वर्गीकरण करें।
36.विभिन्न अधिनियमों की शब्दावली और शब्दावलियों से परिचित होना। (एनओएस: एम्आईएन/एन9442)	कार्यों के महत्व को समझता है।
	किसी निश्चित क्षेत्र में महामारी और स्थानिक स्थितियों की पहचान करना।
	वायु और जल प्रदूषण नियंत्रण अधिनियमों को समझें।
	जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण फॉर्म भरें।
	एमटीपी कार्य करता है:
	विभिन्न अधिनियमों और उनके महत्व को पहचानें।

हेल्थ स्यानिटरी इंस्पेक्टर ट्रेड के लिए पाठ्यक्रम			
अवधि: एक वर्ष			
अवधि	संदर्भ शिक्षण परिणाम	व्यावसायिक कौशल (व्यापारिक व्यावहारिक)	व्यावसायिक ज्ञान (व्यापार सिद्धांत)
व्यावसायिक कौशल 50 घंटे; व्यावसायिक ज्ञान 24 घंटे	सुरक्षा सावधानियों का पालन करते हुए दी गई परिस्थितियों में सभी आयु समूहों के लिए पोषण योजना बनाएं। दी गई परिस्थितियों के अनुसार आवश्यकतानुसार संतुलित आहार तैयार करें। व्यक्ति की विशिष्ट आवश्यकताओं के अनुसार कैलोरी और पोषण आवश्यकताओं की गणना करें और सुझाव दें। विभिन्न कमियों के कारण होने वाली बीमारियों की पहचान करें। रोग के लक्षणों का आकलन करें।	- पोषण की आवश्यकता को बताएं। - विभिन्न अभावजन्य रोगों का चार्ट पर प्रदर्शन करें। - शिशु की पोषक आवश्यकता, गर्भावस्था, स्थान, प्रीस्कूल बच्चा, स्कूल जाने वाला बच्चा। - पोषण शिक्षा एवं इसके महत्व का सर्वेक्षण। - उच्च रक्तचाप, मधुमेह, नेफ्रिटिस और हृदय रोगियों के लिए आहार मेनू तैयार करना। - बीमारियों से पीड़ित मरीजों की छवियाँ। - ऑडियो-वीडियो सहायताएँ। - कुपोषण के प्रकारों का सारणीबद्ध विभेदन। - कुपोषण की समस्या पर काबू पाने के लिए स्वास्थ्य शिक्षा का महत्व। - कुपोषण पर वीडियो (ऑडियो-वीडियो) प्रदर्शित करें। - चित्रात्मक चार्ट द्वारा	भोजन (परिभाषा) एवं भोजन का कार्य तथा पोषण एवं पोषक तत्वों का परिचय। भोजन का वर्गीकरण, उनके स्रोत, पोषक आहार प्रोटीन, वसा, विटामिन और खनिज - स्रोत, कार्य, कमी अधिकता और दैनिक आवश्यकता। संतुलित आहार- परिभाषा एवं महत्व - भोजन की योजना बनाते समय ध्यान में रखे जाने वाले कारक। - विभिन्न आयु वर्ग की पोषक तत्व आवश्यकता - आहार सर्वेक्षण परिवार का मूल्यांकन - सभी सदस्यों की नैदानिक परीक्षा - ऊंचाई और वजन बीएमआई [बॉडी मास इंडेक्स], सिर की परिधि, - एचबी के लिए रक्त परीक्षण। पोषण शिक्षा, कुपोषण- कारण निवारण, जन्म के समय कम वजन (एलबीडब्ल्यू), एलबीडब्ल्यू

	विभिन्न खाद्य पदार्थों में मिलावट का निरीक्षण करें और उसकी रिपोर्ट दें। विभिन्न प्रकार के खाद्य पदार्थों के लिए अलग-अलग खाद्य संरक्षण तकनीकों का सुझाव दें।	हाइड्रोकार्बन के स्रोतों का प्रदर्शन। 12. कुछ खाद्य पदार्थों के खराब होने का प्रदर्शन। 13. पदार्थों की शेल्फ लाइफ बढ़ाने के लिए साधारण नमक और चीनी का उपयोग। 14. रसोई के उपकरण और खाना पकाने के बर्तनों की सफाई। 15. रेफ्रिजरेटर जैसे भंडारण उपकरणों का संचालन और उपयोग प्रक्रिया।	के कारण, एलबीडब्ल्यू की रोकथाम, कुपोषित बच्चों की विशेष देखभाल। चिकित्सीय आहार: संतुलित आहार, वजन कम करने वाले आहार - कम वसा वाला आहार, सादा आहार, यकृत सिरोसिस, गुर्दे की पथरी का परिचय खाद्य संरक्षण: परिभाषा एवं विधियां, संरक्षण की घरेलू एवं औद्योगिक विधि, स्व-रेखा, पाश्चुरीकरण: विधियां, प्रकार एवं महत्व। प्रशीतन: खराब होने से बचाता है।
व्यावसायिक कौशल 50 घंटे; व्यावसायिक ज्ञान 12 घंटे	जल तथा उसके गुणों और जल प्रदूषण के कारणों को पहचानें और समझें। शहर/देहात आदि में जल उपचार के साथ जल आपूर्ति प्रणाली का सारांश दें। जल संरक्षण के लिए नलसाज़ी प्रणाली को इकट्ठा करना। वर्षा जल संचयन तकनीक विकसित करें। जल शुद्धिकरण प्रक्रिया को पहचानें	16. विभिन्न पर्यावरणीय कारकों को दर्शाते हुए एक चार्ट बनाएं। 17. विभिन्न प्रकार के जल को उनके गुणों सहित सारणीबद्ध करें। 18. जल संसाधनों (सतही जल और भूजल) का वर्गीकरण करें। 19. पृथ्वी पर जल की कुल उपलब्धता (मीठा जल, खारा जल, पीने योग्य जल आदि) का पाई चार्ट तैयार करें। 20. घरेलू प्रयोजन के लिए प्रति व्यक्ति जल मांग को सारणीबद्ध करें। 21. विभिन्न क्षेत्रों जैसे	पर्यावरण स्वच्छता के लिए विश्व स्वास्थ्य संगठन की परिभाषा। सुरक्षित और संपूर्ण पानी। जल के स्रोत, जल के विभिन्न उपयोग और उसकी आवश्यकताएँ। जल जनित रोग। जल के संरक्षण स्रोत। पानी की गुणवत्ता। पोर्टेबल जल के लिए भौतिक, रासायनिक और जैविक मानक। बहुत कठोर जल का सार्वजनिक स्वास्थ्य पहलू। कुएं के कीटाणुशोधन के चरण। जल प्रदूषण के स्रोत एवं प्रकृति। जल शुद्धिकरण: i) बड़े पैमाने पर

	और समझें।	अस्पताल, होटल, उद्योग, स्कूल आदि में पानी की मांग का चार्ट तैयार करें। 22. प्रदूषित जल का मानव स्वास्थ्य, पशुओं, पौधों आदि पर पड़ने वाले प्रभाव का चार्ट तैयार करें। 23. विभिन्न क्षेत्रों में जल संरक्षण के विभिन्न तरीकों को सारणीबद्ध कीजिए। 24. वर्षा जल संचयन का चित्र बनाएं और उसका रेखाचित्र बनाएं। 25. पोर्टेबल जल, सुरक्षित जल और सम्पूर्ण जल के बीच अंतर पहचानें। 26. जल की भौतिक, रासायनिक और जीवाणु संबंधी गुणवत्ता का चार्ट तैयार करें। 27. कुओं के कीटाणुशोधन के लिए विभिन्न कीटाणुनाशकों से कीटाणुशोधन की व्याख्या करें 28. जल प्रदूषण के स्रोतों की सूची उनकी विभिन्न विशेषताओं सहित तैयार करें। 29. जल उपचार संयंत्र का दौरा। 30. जल शोधन की विभिन्न प्रक्रियाओं के साथ जल	ii) लघु पैमाने एक स्वच्छता कुआं और ट्यूबवेल तैयार करें। नलसाजी प्रणाली और उसका रखरखाव। सामुदायिक एवं घरेलू स्तर पर जल आपूर्ति एवं भण्डारण प्रणाली। क्लोरीनीकरण की पॉट विधि. स्विमिंग पूल. जल परीक्षण प्रयोगशालाएँ.
--	-----------	---	--

		उपचार संयंत्र का चित्र बनाइये। 31. रासायनिक और जीवाणु परीक्षण के लिए जल के नमूने का संग्रह और प्रेषण। 32. ग्रामीण क्षेत्रों में शुद्धिकरण प्रणाली तैयार करना और उसका निर्माण करना। 33. क्लोरीन की मांग की गणना करें और जल में अवशिष्ट क्लोरीन के लिए भी ग्राफ तैयार करें। 34. घरेलू नलों, सतही और भूजल संसाधनों से जल का नमूना एकत्र करें। 35. परीक्षण प्रयोगशालाओं में दिए गए जल नमूने के भौतिक और रासायनिक मापदंडों के लिए प्रयोग करना - पीएच - गन्दगी - क्लोरीन - कठोरता - टीडीएस - अम्लता - क्षारीयता आदि.	
व्यावसायिक कौशल 40 घंटे; व्यावसायिक ज्ञान 12 घंटे	शहर/कस्बों की गंदगी को पर्यावरण और मानव की सुरक्षा के साथ संभालें।	36. परीक्षण प्रयोगशालाओं में बोतलों में दिए गए नमूनों से जल और सीवेज के बीच अंतर दर्शाइए। 37. जल निकायों, वायुमंडल,	<u>रात की गंदगी का निपटान</u> मानव मल-मूत्र युक्त तरल अपशिष्ट में मल। पर्यावरणीय कारकों पर रात्रि मल के अनेक प्रभाव ।

		मिट्टी आदि पर रात्रि मल के कई प्रभावों को वर्गीकृत किया गया है। 38. विभिन्न प्रभावों और मानव शरीर पर खाद्य संदूषण के प्रभाव को सारणीबद्ध करें। 39. मल के अस्वास्थ्यकर निपटान के कारण होने वाली विभिन्न बीमारियों के लिए एक चार्ट तैयार करें। 40. सेवा और गैर-सेवा प्रकार के शौचालयों के निर्माण और रखरखाव का वर्णन करें जैसे बोर होल, कुआं, आरसीए, सेप्टिक टैंक, सुलभ सौचालय। 41. सुलभ का दौरा सौचालय। 42. ट्रेचिंग ग्राउंड के निर्माण और रखरखाव का प्रदर्शन।	मल के अस्वास्थ्यकर निपटान के कारण मल जनित रोग। उपयोग में आने वाले विभिन्न प्रकार के शौचालय, स्वच्छ शौचालयों के निर्माण के सिद्धांत और उनके उपयोग। i) बोर होल ii) खुदा हुआ कुआँ iii) आरसीए iv) सेप्टिक टैंक शौचालय।
व्यावसायिक कौशल 46 घंटे; व्यावसायिक ज्ञान 12 घंटे	किसी क्षेत्र या छोटे शहर में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन प्रणाली की योजना बनाएं।	43. ठोस अपशिष्ट में वृद्धि के स्रोतों की पहचान करें। 44. स्रोतों के आधार पर ठोस अपशिष्ट की श्रेणी को सारणीबद्ध करें। 45. ठोस अपशिष्ट को उनके विभिन्न गुणों के आधार पर वर्गीकृत करें जैसे चिकित्सा, नगरपालिका, वाणिज्यिक, निर्माण। 46. ठोस अपशिष्ट के संग्रहण विधियों का प्रदर्शन। 47. किसी शहर में ठोस	ठोस अपशिष्ट निपटान – ठोस अपशिष्ट के स्रोत, उत्पादन, भंडारण, संग्रहण और निपटान के तरीके। – समुदाय में ठोस अपशिष्ट का वर्गीकरण। – विभिन्न प्रकार के ठोस अपशिष्टों के प्रदूषणकारी प्रभाव। – घरों एवं सड़कों से ठोस अपशिष्ट एकत्र करने की प्रणाली। – ठोस अपशिष्ट का

		अपशिष्ट प्रबंधन का योजना चार्ट तैयार करें। 48. एमएसडब्ल्यू की पाई चार्ट संरचना तैयार करें। 49. स्वच्छता विधियों में ठोस अपशिष्ट के निपटान के तरीकों की व्याख्या करें। 50. ठोस अपशिष्ट निपटान के बुरे प्रभावों को एक चार्ट में दर्शाएं। 51. ठोस अपशिष्ट के संग्रहण एवं परिवहन की विभिन्न विधियों की तुलना चित्र सहित करें। 52. निपटान स्थल पर जाएँ। i. सैनिटरी लैंडफिल ii. खाद iii. भस्मीकरण iv. बायोगैस संयंत्र	स्वच्छतापूर्ण परिवहन। – ठोस अपशिष्ट के निपटान की स्वच्छता प्रक्रिया जैसे कि खाद बनाना, स्वच्छतापूर्ण भूमि भरना, भस्मीकरण आदि।
व्यावसायिक कौशल 80 घंटे; व्यावसायिक ज्ञान 20 घंटे	जैव चिकित्सा और ई-अपशिष्ट प्रबंधन प्रणाली का अभ्यास करें।	जैव चिकित्सा अपशिष्ट प्रबंधन 53. संक्रामक अपशिष्ट के पृथक्करण, पैकेजिंग, भंडारण एवं परिवहन की तकनीकें। 54. जैव चिकित्सा अपशिष्ट प्रबंधन की तकनीकें। 55. उपचार विधि आटोक्लेव, हाइड्रो क्लेव, माइक्रोवेव, रासायनिक कीटाणुशोधन, ठोसीकरण और स्थिरीकरण, बायोरेमेडिएशन,	जैव चिकित्सा अपशिष्ट प्रबंधन – जैव चिकित्सा अपशिष्ट की परिभाषा - जैव चिकित्सा अपशिष्ट के स्रोत - अपशिष्ट न्यूनीकरण - बीएमडब्ल्यू - पृथक्करण, संग्रहण, परिवहन, उपचार और निपटान (रंग कोडिंग सहित) - तरल बीएमडब्ल्यू, रेडियोधर्मी अपशिष्ट, धातु/रसायन/औषधि अपशिष्ट

		56. खतरनाक अपशिष्ट का संचयन और भंडारण 57. खतरनाक कचरे का भूमि निपटान	- बीएमडब्ल्यू प्रबंधन और कीटाणुशोधन की विधि - बीएमडब्ल्यू को संभालने की आधुनिक तकनीक - व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण (पीपीई) का उपयोग - क्रॉस संक्रमण की निगरानी और नियंत्रण (सुरक्षात्मक उपकरण) - जैव चिकित्सा अपशिष्ट के जोखिम की पहचान - ई-कचरा: परिचय, ई-कचरे में खतरनाक पदार्थों के कारण विषाक्तता और उनके प्रभाव, घरेलू ई-कचरा निपटान, ई-कचरा प्रबंधन, इलेक्ट्रॉनिक कचरे से संसाधन की पुनर्प्राप्ति के लिए प्रौद्योगिकियां, ई-कचरे के पर्यावरण की दृष्टि से उचित प्रबंधन के लिए दिशानिर्देश, भारत में ई-कचरे के पुनर्चक्रण के व्यावसायिक और पर्यावरणीय स्वास्थ्य परिप्रेक्ष्य।
व्यावसायिक कौशल 35 घंटे; व्यावसायिक ज्ञान 14 घंटे	वायु प्रदूषण के स्रोतों की पहचान करें और उपयुक्त उपाय सुझाएँ। ग्लोबल वार्मिंग के प्रभावों की व्याख्या करें और उपचारात्मक उपायों की पहचान	58. आर्द्रता एवं तापमान का प्रदर्शन 59. वायु प्रदूषण के स्रोतों को बताएँ। 60. ग्लोबल वार्मिंग के चार्ट या पोस्टर तैयार करें। 61. वायु प्रदूषण की रोकथाम तकनीकों पर एक मंच तैयार	<u>वायु प्रदूषण</u> - वायु प्रदूषण का परिचय. - वायु की संरचना. - वायु प्रदूषण के स्रोत और प्रकृति। - वायु प्रदूषण का स्वास्थ्य पर प्रभाव. - वायु प्रदूषण की रोकथाम और

	करें। (मानचित्रित संख्या: एम्आईएन/एन9432) ध्वनि प्रदूषण को कम करने के उपाय सुझाएँ। किसी विशेष क्षेत्र की वेंटिलेशन आवश्यकताओं की योजना बनाएं और सुझाव दें।	करें। 62. तापीय आराम के लिए एसी संयंत्र का प्रदर्शन। 63. वेंटिलेशन के प्रकार बताएं। 64. शोर स्तर का मापन. 65. ध्वनि प्रदूषण को नियंत्रित करने की प्रक्रिया	नियंत्रण के तरीके। - ग्लोबल वार्मिंग और उसके प्रभाव की व्याख्या करें। - तापमान, आर्द्रता, विकिरण, तापीय आराम, वाष्पीकरण आदि की अवधारणा। - वायु शुद्धिकरण के तरीके. - वायु कीटाणुशोधन. - वेंटिलेशन की परिभाषा. - पर्याप्त वेंटिलेशन की अवधारणा और महत्व। - वेंटिलेशन के प्रकार ध्वनि प्रदूषण - परिचय। - स्रोत. - स्वास्थ्य पर प्रभाव. - ध्वनि प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए निवारक उपाय।
व्यावसायिक कौशल 45 घंटे; व्यावसायिक ज्ञान 14 घंटे	तरल अपशिष्ट और निपटान की अवधारणा को स्पष्ट करें। तरल अपशिष्ट के कारण सीवर स्वास्थ्य संबंधी खतरों के प्रकारों को जानें। सीवर, ट्रेप्स, प्लंबिंग उपकरण आदि के निर्माण एवं रखरखाव की योजना बनाना तथा उसमें सहायता करना।	66. सीवेज उपचार संयंत्र की ओर संकेत करें। 67. फ्लशिंग टैंक, मैनहोल आदि का निरीक्षण। 68. विभिन्न ट्रेप 'पी' ट्रेप, 'एस' ट्रेप, 'क्यू' ट्रेप आदि का प्रदर्शन। 69. वीडियो कॉल द्वारा मैनहोल का प्रदर्शन। 70. विभिन्न प्लंबिंग उपकरणों जैसे हैक्सॉ, पाइप कटर, पाइप वाइस, पाइप रिंच, स्पैनर का सेट आदि का	तरल अपशिष्ट निपटान - तरल अपशिष्ट की परिभाषा एवं उसके स्रोत। - मानव अपशिष्ट प्रबंधन प्रणाली. - तरल अपशिष्ट निपटान के लिए विभिन्न विधियाँ। - सीवेज के कारण जल प्रदूषण। - तरल अपशिष्ट से जुड़े स्वास्थ्य संबंधी खतरे। - सीवर और उसके प्रकार। - सीवर बिछाने की विधियाँ.

		प्रदर्शन। 71. सीवेज उपचार संयंत्र का निरीक्षण और रखरखाव। 72. सीवेज निपटान के विभिन्न उपकरणों की पहचान करें। 73. सीवेज से जल प्रदूषण की पहचान करें।	– सीवरों का निर्माण एवं रखरखाव। – सीवर उपकरण. – जाल परिचय. – जाल के प्रकार. – नलसाज़ी की परिभाषा. – नलसाज़ी उपकरण और संचालन. <u>मलजल निपटान</u> – सीवेज प्रणाली की परिभाषा और प्रकार। – सीवेज खेती और भूमि उपचार। – बायोगैस संयंत्र द्वारा सीवेज निपटान। – सीवेज को कीटाणुरहित करने के तरीके. – सीवेज खेती.
व्यावसायिक कौशल 43 घंटे; व्यावसायिक ज्ञान 12 घंटे	मृत पशुओं और मनुष्यों के निपटान के तरीके सुझाएँ। स्वास्थ्य और भूमि सुधार के संबंध में इसका महत्व ।	74. कब्रिस्तान का दौरा शवों के निपटान की उचित प्रक्रिया और कानूनी प्रावधानों के अनुसार अभिलेखों का रखरखाव। 75. मृदा नमूना उपकरण की पहचान करें। 76. मृदा प्रदूषण के आकलन के लिए नमूनाकरण । 77. पीएच और कीटाणुशोधन के बाद मिट्टी का उपचार।	<u>दफ़नाना और दाह संस्कार</u> – परिचय – मृतकों का निपटान. – निपटान विधियों के प्रकार. – मृतकों के संरक्षण के तरीके. – सामान्यतः तथा कम उपयोग में लायी जाने वाली विधियाँ। – दफन और श्मशान घाट के लिए बुनियादी आवश्यकताएँ। – शवों के अस्वास्थ्यकर निपटान से जुड़े स्वास्थ्य संबंधी खतरे। <u>मृदा स्वच्छता</u>

			– मिट्टी का परिचय एवं महत्व। – मिट्टी का वर्गीकरण. – सार्वजनिक स्वास्थ्य में महत्व के दृष्टिकोण से वर्गीकरण। – मिट्टी में अत्यधिक नमी का कारण. – भूमि का पुनः उद्धार. – मृदा स्वास्थ्य.
व्यावसायिक कौशल 43 घंटे; व्यावसायिक ज्ञान 12 घंटे	आवास तथा मेलों एवं उत्सवों में चिकित्सा उपायों के स्वच्छता संबंधी नुस्खे की योजना बनाना तथा सुझाव देना।	78. स्वच्छता मानकों का आकलन करने तथा सुधारात्मक उपाय सुझाने के लिए आवास का दौरा करना। 79. भीड़भाड़ को वर्गीकृत करें। 80. मेलों और त्यौहारों का निरीक्षण और तैयारी। 81. प्राकृतिक आपदाओं से संबंधित स्वच्छता व्यवस्था की तैयारी।	<u>आवास</u> – स्वस्थ आवास का सामान्य सिद्धांत. – घर की स्वच्छता. – घर की उपयोगिता सेवाएँ. – घर के निर्माण के लिए स्वच्छता मानक। – घर पर भोजन स्वच्छता। – स्वस्थ आवास के लिए विशिष्टता. <u>मेलों और त्यौहारों में स्वच्छता</u> – मेलों एवं त्यौहारों पर स्वच्छता प्रबंधन। – मानव समागमों और अस्थायी बस्तियों से जुड़ी स्वच्छता संबंधी समस्याएं। – भोजन, आवास, जल आपूर्ति, प्रकाश व्यवस्था के लिए स्वच्छता संकट को रोकने के लिए वैकल्पिक आपातकालीन स्वच्छता प्रावधान।

			सामुदायिक अपशिष्ट का निपटान और महामारी के प्रकोप की रोकथाम।
व्यावसायिक कौशल 35 घंटे; व्यावसायिक ज्ञान 12 घंटे	व्यावसायिक स्वास्थ्य खतरों की पहचान करें। सुरक्षा नियमों का पालन करें। व्यावसायिक बीमारियों को रोकें।	82. विभिन्न व्यापार परिसरों (डेयरी, बेकरी आदि) का दौरा करें। 83. कार्यस्थल की स्वच्छता समस्याओं के सर्वेक्षण के लिए एक कारखाने का दौरा। 84. खतरनाक क्षेत्रों की पहचान और सुरक्षा व्यवस्था की पर्याप्तता।	<u>व्यावसायिक स्वास्थ्य</u> - परिचय - व्यावसायिक पर्यावरण उपाय. - व्यावसायिक रोग. - कार्यस्थल पर सुरक्षा और स्वास्थ्य के महत्व को बताएं। - स्वास्थ्य एवं सुरक्षा कार्यक्रम के लिए नियोक्ता, ट्रेड यूनियन और कर्मचारियों की भूमिका बताएं। - स्वास्थ्य सुरक्षा कर्मियों के लिए उपाय। - व्यावसायिक रोगों की रोकथाम। - प्रावधान- कर्मचारियों को लाभ। - भारत में व्यावसायिक स्वास्थ्य.
व्यावसायिक कौशल 24 घंटे; व्यावसायिक ज्ञान 06 घंटे	जैविक वातावरण और छिड़काव उपकरण के विभिन्न भागों की तैयारी और नियंत्रण।	85. कीटनाशकों, पीड़कनाशियों और कीटाणुनाशकों की पहचान और उपयोग। 86. विभिन्न वस्तुओं के विसंक्रमण एवं कीटाणुशोधन की तकनीकों का अनुप्रयोग। 87. छिड़काव उपकरण के विभिन्न भागों की पहचान। 88. लार्वीसाइड्स की पहचान	<u>जैविक पर्यावरण का नियंत्रण</u> - परिचय - कीटनाशकों, पीड़कनाशियों और कीटाणुशोधन पर अध्ययन। - विभिन्न वस्तुओं का रोगाणुनाशन एवं कीटाणुशोधन। - विभिन्न छिड़काव उपकरण. - कृंतकनाशकों और

हेल्थ स्यानिटरी इंस्पेक्टर

		और उपयोग। 89. छिड़काव उपकरण का संचालन एवं रखरखाव। 90. कृतकनाशकों की पहचान एवं उपयोग।	लार्वानाशकों का उपयोग . - आर्थ्रोपोडा नियंत्रण का सिद्धांत.
व्यावसायिक कौशल 60 घंटे; व्यावसायिक ज्ञान 16 घंटे	स्वास्थ्य शिक्षा पर जनता के लिए जागरूकता कार्यक्रम चलाना।	91. मलेरिया पर पोस्टर डिजाइन करना। 92. स्वास्थ्य निरीक्षक की भूमिका और जिम्मेदारियों पर पोस्टर डिजाइन करना। 93. कक्षा गतिविधि के रूप में स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम का प्रदर्शन। 94. पर्यावरण स्वच्छता पोस्टर डिजाइन करना। 95. संतुलित आहार पर पोस्टर डिजाइन करना। 96. बुनियादी स्वच्छता प्रथाओं पर पोस्टर डिजाइन करना। 97. स्वास्थ्य जागरूकता पर पावर प्वाइंट प्रस्तुति तैयार करना। 98. ओआरएस तैयार करने का प्रदर्शन।	- स्वास्थ्य की परिभाषा - स्वास्थ्य शिक्षा की विषय-वस्तु. - स्वास्थ्य शिक्षा के प्राचार्य. - स्वास्थ्य निरीक्षक के लिए कार्यस्थल पर स्वास्थ्य शिक्षा के अवसर। - दृश्य-श्रव्य सामग्री और मीडिया का उपयोग। - स्वास्थ्य शिक्षा दृष्टिकोण. - स्वास्थ्य शिक्षा गतिविधियों, पर्यावरण स्वच्छता के संबंध में शिक्षा की योजना बनाना। - स्वच्छता सुविधाओं की आवश्यकता के बारे में जागरूकता। - स्वास्थ्य शिक्षा सामग्री. - स्वास्थ्य शिक्षा में सार्वजनिक स्वास्थ्य केन्द्रों का योगदान। - स्वास्थ्य शिक्षा के लिए सामुदायिक संसाधनों का उपयोग करना। - स्वास्थ्य शिक्षा प्रदान करने के लिए व्यक्तिगत अनुबंध समूह बैठकों के लाभ।
व्यावसायिक कौशल 51 घंटे;	सही व्यवहार और व्यक्तिगत स्वच्छता	99. व्यक्तिगत स्वच्छता आदतों पर चार्ट तैयार	व्यवहार विज्ञान - व्यवहार विज्ञान की परिभाषा.

हेल्थ स्यानिटरी इंस्पेक्टर

व्यावसायिक ज्ञान 16 घंटे	के महत्व को समझाएं तथा अपने व्यक्तिगत जीवन और समाज पर इसके प्रत्यक्ष प्रभाव के बारे में जानें।	करना। 100. सामाजिक व्यवहार में क्या करें और क्या न करें पर पोस्टर डिजाइन करना। 101. हाथ धोने और देखभाल का प्रदर्शन। 102. मौखिक स्वच्छता पर प्रदर्शन।	– व्यवहार विज्ञान का महत्व. – व्यक्तिगत स्वच्छता पर व्यवहार का प्रभाव। – बुनियादी स्वच्छता प्रथाएँ। – व्यक्तिगत स्वच्छता को प्रभावित करने वाली आदतें और रीति-रिवाज। – देखभाल करने वाली इन्द्रियाँ. – मौखिक हाइजीन। – मानव व्यवहार को प्रभावित करने वाले कारक, विभिन्न आयु समूहों में व्यवहार पैटर्न में परिवर्तन। – पारस्परिक संबंध और रक्षा तंत्र।
व्यावसायिक कौशल 95 घंटे; व्यावसायिक ज्ञान 16 घंटे	चिकित्सा संबंधी आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए प्राथमिक उपचार करें।	103. घावों पर ड्रेसिंग पट्टियाँ लगाना। 104. स्प्लिंट्स, स्लिंग्स के साथ हड्डी की चोटों का प्रबंधन। 105. घायल एवं अचेत मामलों का परिवहन एवं उनका प्रबंधन। 106. छोटी-मोटी बीमारियों, खांसी, बुखार, रक्तस्राव, दांत दर्द आदि का निदान और उपचार। 107. विषाक्तता मामले प्रबंधन 108. तापघात, सनस्ट्रोक, रक्तस्राव, जलन, विद्युत चोट आदि के मामले में प्रबंधन। 109. कृत्रिम श्वसन पर	प्राथमिक चिकित्सा – प्राथमिक चिकित्सा का उद्देश्य. – प्राथमिक चिकित्सा के सिद्धांत और अभ्यास। – एक बुनियादी प्राथमिक चिकित्सा बॉक्स की सामग्री. – सीपीआर – ड्रेसिंग और पट्टियों के प्रकार. – घावों के प्रकार. – विविध स्थितियाँ. – किसी हताहत व्यक्ति के पास जाना। – मनोवैज्ञानिक प्राथमिक चिकित्सा. – अनेक हताहतों को संभालना। – चोटों के प्रकार जैसे सड़क

		प्रशिक्षण. 110. विभिन्न आपातकालीन मामलों में प्राथमिक चिकित्सा की व्यवस्था करना।	दुर्घटनाएं, कारखाना दुर्घटनाएं और आपदा दुर्घटनाएं। पीड़ितों का परिवहन और उचित देखभाल प्रदान की गई।
व्यावसायिक कौशल 71 घंटे; व्यावसायिक ज्ञान 20 घंटे	किसी भी बीमारी की तीव्रता का आकलन करें, बीमारी को पहचानें और बीमारी को रोकने के लिए समय पर प्राथमिक उपचार प्रदान करें। दिए गए टीकाकरण कार्यक्रम का पालन करें और इसके महत्व को समझें। कीटाणुशोधन की पहचान करें और रोगों को नियंत्रित करने के लिए इसके महत्व को समझें। नसबंदी करें।	111. संचारी और गैर-संचारी रोगों के लक्षणों और उनके नियंत्रण उपायों पर प्रदर्शन। 112. टीकाकरण कार्यक्रम की तैयारी 113. स्वास्थ्य एवं सामान्य सर्वेक्षण आयोजित करना तथा रिपोर्ट बनाना। 114. कीटाणुशोधन और बंध्यीकरण तकनीकों पर वीडियो। 115. वीडियो के माध्यम से कीटाणुशोधन के लिए सुरक्षा के साथ विभिन्न रसायनों का उपयोग।	<u>संचारी रोग</u> - संचारी रोग की परिभाषा एवं परिचय। - वायुजनित तथा संपर्क के माध्यम से रोगों का संचरण। - रोगों के लक्षण. - विभिन्न संचारी रोगों जैसे स्वाइन फ्लू, टीबी, एड्स, डिप्थीरिया, पोलियो, खसरा, डायरिया आदि के बारे में विस्तार से बताएं। - संचारी रोगों की रोकथाम और नियंत्रण के लिए सामान्य उपाय। <u>गैर-संचारी रोग</u> - गैर-संचारी रोग का परिचय. - कैंसर, उच्च रक्तचाप, हृदय रोग, मधुमेह आदि रोगों के बारे में विस्तार से बताएं। - गैर-संचारी रोगों के लक्षण, रोकथाम और नियंत्रण के बारे में विस्तार से जानकारी। <u>प्रतिरक्षा और टीकाकरण</u> - प्रतिरक्षा और टीकाकरण का महत्व - टीकाकरण के प्रकार, उद्देश्य और प्रभाव।

			– राष्ट्रीय टीकाकरण कार्यक्रम. – खसरा, टाइफाइड के टीके और पेंटावैलेंट टीके। कीटाणुशोधन और बंध्यीकरण – कीटाणुशोधन एवं रोगाणुनाशन की आवश्यकता। – अस्पतालों में कीटाणुशोधन और बंध्यीकरण का महत्व। – विभिन्न कीटाणुशोधन एजेंटों जैसे हैलोजन, KMnO₂ समाधान, ठोस और तरल एजेंटों का परिचय और उपयोग। – प्रभावी कीटाणुनाशक जैसे फॉर्मैल्डिहाइड, सल्फर, क्लोरीन गैसों आदि। – कीटाणुनाशक के रूप में यूवी विकिरण और ओजोन का उपयोग।
व्यावसायिक कौशल 20 घंटे; व्यावसायिक ज्ञान 10 घंटे	बुनियादी व्यक्तिगत स्वच्छता का पालन करें और व्यक्ति के स्वास्थ्य और व्यक्तित्व पर इसके प्रभाव की व्याख्या करें।	116. दंत चिकित्सा देखभाल पर पोस्टर बनाना। 117. त्वचा और बाल स्वच्छता पर पोस्टर बनाना। 118. बुनियादी स्वच्छता आदतों पर पोस्टर बनाना। 119. हाथ धोने की सही विधि पर प्रदर्शन। 120. मौखिक स्वास्थ्य पर प्रदर्शन.	व्यक्तिगत स्वच्छता – दैनिक जीवन में व्यक्तिगत स्वच्छता की आवश्यकता और महत्व। – स्वास्थ्य और स्वच्छता की आदतों को प्रभावित करने वाले कारक। – त्वचा, बाल, मुंह, नाखून आदि की बुनियादी स्वच्छता की आदतें बनाए रखना। – दंत-चिकित्सा, हाथों की देखभाल, धुलाई आदि का विकास करना। – नियमित व्यायाम और पौष्टिक

			भोजन का महत्व।
व्यावसायिक कौशल 52 घंटे; व्यावसायिक ज्ञान 12 घंटे	मृत्यु दर, जन्म दर, रुग्णता, एमएमआर, आईएमआर आदि जैसे विभिन्न कारकों को पहचानना, जनगणना सर्वेक्षण और डेटा संग्रहण के महत्व का विश्लेषण करना। श्रेणियाँ स्वास्थ्य सर्वेक्षण. विभिन्न कृत्यों की शब्दावली और शब्दावलियों से परिचित होना।	121. मलेरिया के मामलों के लिए अस्पतालों से डेटा संग्रह। 122. डेंगू के मामलों के लिए अस्पतालों से डेटा संग्रह। 123. किसी इलाके के लोगों का स्वास्थ्य सर्वेक्षण। 124. किसी इलाके में टीकाकरण सर्वेक्षण। 125. जनसंख्या नियंत्रण उपायों को चार्ट पर डिजाइन और तैयार करें। 126. विश्लेषण हेतु खाद्य नमूनों का संग्रह एवं प्रेषण, कानूनी कार्यवाही के लिए कागजात तैयार करना। 127. दूध, घी, तेल, चीनी, चाय आदि में मिलावट की पहचान करने के लिए सरल घरेलू परीक्षणों का प्रदर्शन। 128. कृत्यों के पंजीकरण से परिचित होना। 129. विभिन्न कृत्यों की रिपोर्टिंग तैयार करें। 130. विभिन्न अधिनियमों के कार्यान्वयन के लिए दस्तावेजीकरण प्रक्रिया। 131. किसी क्षेत्र में विभिन्न उद्योगों के विषाक्त पदार्थों के प्रदूषण स्तर का	जनसांख्यिकी और स्वास्थ्य सर्वेक्षण – जनसांख्यिकी की परिभाषा एवं परिचय। – जनसांख्यिकी के कारक. – डेमो के विभिन्न चरण . 1. उच्च स्थिर 2. शीघ्र व्यय 3. देर से व्यय 4. कम स्थिर – स्वास्थ्य सर्वेक्षण में जन्म दर, मृत्यु दर, रुग्णता, आईएमआर, एमएमआर आदि शामिल हैं। – जनसंख्या नियंत्रण उपाय. सार्वजनिक स्वास्थ्य अधिनियम – अधिनियमों की परिभाषा, परिचय एवं महत्व। – भारतीय महामारी रोग अधिनियम. – स्थानिकमारी, महामारी को उदाहरण सहित समझाइए। – महामारी विज्ञान को परिभाषित करें. – वायु एवं जल प्रदूषण नियंत्रण अधिनियम। – खाद्य अपमिश्रण निवारण अधिनियम। – जन्म और मृत्यु पंजीकरण अधिनियम. – एमटीपी अधिनियम. – अनैतिक व्यापार दमन

हेल्थ स्यानिटरी इंस्पेक्टर

		एक चार्ट तैयार करें।	अधिनियम (एसआईटीए)। – आवास स्वच्छता अधिनियम से संबंधित नगरपालिका और स्थानीय निकाय अधिनियम। – फैक्ट्री अधिनियम और ईएसआई अधिनियम।
परियोजना कार्य/अस्पताल का दौरा व्यापक क्षेत्र: - विभिन्न आपातकालीन मामलों में प्राथमिक चिकित्सा की व्यवस्था करना। - जनसंख्या नियंत्रण उपायों को चार्ट पर डिजाइन और तैयार करें। - वीडियो के माध्यम से कीटाणुशोधन के लिए सुरक्षा के साथ विभिन्न रासायनिक उपयोग। - व्यक्तिगत स्वच्छता आदतों पर चार्ट तैयार करना। - मलेरिया के मामलों के लिए अस्पतालों से डेटा संग्रह। - किसी क्षेत्र में विभिन्न उद्योगों के विषाक्त पदार्थों के प्रदूषण स्तर का एक चार्ट तैयार करें।			

मुख्य कौशल के लिए पाठ्यक्रम

1. रोजगार योग्यता कौशल (सभी सीटीएस ट्रेडों के लिए सामान्य) (120 घंटे)

सीखने के परिणाम, मूल्यांकन मानदंड, पाठ्यक्रम और कोर कौशल विषयों की टूल सूची जो ट्रेडों के एक समूह के लिए सामान्य है, www.bharatskills.gov.in/ dgt.gov.in पर अलग से उपलब्ध कराई गई है।

उपकरण और उपकरणों की सूची			
हेल्थ स्यानिटरी इंस्पेक्टर (24 उम्मीदवारों के बैच के लिए)			
क्र. सं.	औज़ारों और उपकरणों का नाम	विनिर्देश	मात्रा
ए. प्रशिक्षु टूल किट			
1.	दस्ताने		आवश्यकता अनुसार
2.	तहबंद		24 नग.
3.	डिस्पोजेबल मास्क		आवश्यकता अनुसार
बी. दुकान के उपकरण, यंत्र			
उपकरणों की सूची:			
4.	वेंटिलेशन प्रणाली		1 नं.
5.	सीवेज सिस्टम और उपचार संयंत्र		1 नं.
6.	जल शुद्धिकरण पौधे		1 नं.
7.	सैनिटरी प्लांट		1 नं.
8.	अपशिष्ट निपटान संयंत्र		1नं.
सी. उपकरणों की सूची			
9.	एलसीडी प्रोजेक्टर/ इंटरैक्टिव स्मार्ट बोर्ड		1 नं.
10.	डेस्कटॉप कंप्यूटर	CPU: 32/64 बिट i3/i5/i7 या नवीनतम प्रोसेसर, स्पीड: 3 GHz या अधिक। RAM: - 4 GB DDR-III या अधिक, Wi-Fi सक्षम। नेटवर्क कार्ड: एकीकृत गीगाबिट ईथरनेट, USB माउस, USB कीबोर्ड और मॉनिटर के साथ (न्यूनतम 17 इंच। लाइसेंस प्राप्त ऑपरेटिंग सिस्टम और एंटीवायरस जो व्यापार से संबंधित सॉफ्टवेयर के साथ संगत है।	1 नं.
11.	रेफ्रिजरेटर	165 लीटर	1नं.
12.	आटोकलेव		1 नं.

हेल्थ स्यानिटरी इंस्पेक्टर

13.	अजीवाणु बनानेवाला पदार्थ		1 नं.
14.	टीडीएस मीटर		2नं.
15.	थर्मामीटर		4 नग.
16.	बीपी उपकरण		1 नं.
17.	परिश्रावक		4 नग.
18.	हीमोग्लोबिन मीटर		2 नग.
19.	प्रयोगशाला माइक्रोस्कोप		1 नं.
20.	प्राथमिक चिकित्सा किट		2 नग.
21.	सुइयां और सिरिंज		आवश्यकतानुसार

कक्षा में इंटरनेट सुविधा उपलब्ध कराई जानी वांछित है।

डीजीटी उद्योग, राज्य निदेशालयों, व्यापार विशेषज्ञों, डोमेन विशेषज्ञों, आईटीआई, एनएसटीआई के प्रशिक्षकों, विश्वविद्यालयों के संकायों और अन्य सभी के योगदान को ईमानदारी से स्वीकार करता है जिन्होंने पाठ्यक्रम को संशोधित करने में योगदान दिया।

डीजीटी द्वारा निम्नलिखित विशेषज्ञ सदस्यों को विशेष धन्यवाद दिया जाता है जिन्होंने इस पाठ्यक्रम में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

हेल्थ स्यानिटरी इंस्पेक्टर के पाठ्यक्रम को अंतिम रूप देने के लिए भाग लेने वाले विशेषज्ञ सदस्यों की सूची।			
क्र. सं.	नाम और पदनाम श्री / श्री / सुश्री	संगठन	टिप्पणी
1.	डॉ. रितेश डॉ. गर्ग , एमबीबीएस, डीएमआरडी	शिवम डायग्नोस्टिक्स एवं कैंसर अनुसंधान संस्थान, दिल्ली	अध्यक्ष
2.	पीके बैरागी , टीओ	-करना-	समन्वयक/सद स्य
3.	केवीएस नारायण , टीओ	-करना-	समन्वयक/सद स्य
4.	सी. शिबू , संकाय	-करना-	सदस्य
5.	डॉ. सुशील गुप्ता, एमबीबीएस, डीएमआरडी	-करना-	सदस्य
6.	डॉ. अनिल ग़ोवर, एमबीबीएस, एमडी	-करना-	सदस्य
7.	डॉ. रजनीश अग्रवाल , एमबीबीएस, डीएमआरडी	-करना-	सदस्य
8.	डॉ. गौरव माथुर , सलाहकार	-करना-	सदस्य
9.	डॉ. पटविंदर बेदी , सलाहकार	-करना-	सदस्य

हेल्थ स्यानिटरी इंस्पेक्टर

10.	डॉ. वीरपाल नाथू, सर्जन	सिंह डेंटल हॉस्पिटल (सीजीएचएस, भारत सरकार के पैनल पर)	सदस्य
11.	डॉ. रचना , बीडीएस, एमआईडीए	-करना-	सदस्य
12.	डॉ. अनामिका सिंह, बीडीएस, एमआईडीए	-करना-	सदस्य
13.	डॉ. रितु , संकाय	-करना-	सदस्य
14.	डॉ. माधवी राज, संकाय	-करना-	सदस्य
15.	पूजा राणा , संकाय	-करना-	सदस्य
16.	डॉ. प्रियंका , संकाय	-करना-	सदस्य
17.	डॉ. निशा गुलिया , संकाय	राजकीय सामान्य अस्पताल, बहादुरगढ़ , एच.आर.	सदस्य
18.	डॉ. सुमित निगम, बीपीटी, निदेशक	डायनेमिक फिजियोथेरेपी सर्विसेज, नई दिल्ली	सदस्य
19.	डॉ. सोनिया, बीपीटी	-करना-	सदस्य
20.	डॉ. रोहित , एमपीटी	-करना-	सदस्य
21.	डॉ. रश्मि लोहिया , बीपीटी	-करना-	सदस्य
22.	डॉ. एसके यादव , बीपीटी, एमपीटी (ऑर्थो), एमआईएपी, डीसीपी	-करना-	सदस्य
23.	डॉ. सुशांत कपूर , बीडीएस	कपूर डेंटल केयर, दिल्ली	सदस्य
24.	कीर्ति शर्मा, संकाय	राष्ट्रीय औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र, द्वारका , नई दिल्ली	सदस्य
25.	मुक्ता सिंह, संकाय	-करना-	सदस्य
26.	गीता देसवाल , संकाय	-करना-	सदस्य

हेल्थ स्यानिटरी इन्स्पेक्टर

27.	प्रीति सिंह, संकाय	-करना-	सदस्य
28.	आकाश कुमार, संकाय	-करना-	सदस्य
29.	भावना , प्रशिक्षक	-करना-	सदस्य
30.	डॉ. उर्वशी जैन, एम.डी.	-करना-	सदस्य
31.	रमेश कुमार गर्ग , एमबीबीएस, एमडी	-करना-	सदस्य
32.	डॉ. पीके आनंद , संकाय	-करना-	सदस्य
33.	अमित सेठी , सलाहकार	-करना-	सदस्य
34.	एलके मुखर्जी , डीडीटी	सीएसटीएआरआई, कोलकाता	सदस्य

संकेताक्षर

सीटीएस	शिल्पकार प्रशिक्षण योजना
एटीएस	प्रशिक्षु ई- शिप प्रशिक्षण योजना
सीआईटीएस	शिल्प प्रशिक्षक प्रशिक्षण योजना
डीजीटी	प्रशिक्षण महानिदेशालय
एमएसडीई	कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय
एनटीसी	राष्ट्रीय व्यापार प्रमाणपत्र
एनएसी	राष्ट्रीय प्रशिक्षु ई- शिप प्रमाण पत्र
एनसीआईसी	राष्ट्रीय शिल्प प्रशिक्षक प्रमाणपत्र
एलडी	लोकोमोटर विकलांगता
सीपी	मस्तिष्क पक्षाघात
एमडी	एकाधिक विकलांगता
एल.वी.	कम दृष्टि
एचएच	सुनने में कठिन
पहचान	बौद्धिक विकलांगता
नियंत्रण रेखा	कुष्ठ रोग ठीक हुआ
एसएलडी	विशिष्ट शिक्षण विकलांगताएं
डीडब्ल्यू	बौनापन
एमआई	मानसिक बिमारी
आ	एसिड अटैक
लोक निर्माण विभाग	विकलांग व्यक्ति

